भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 857

दिनांक 29 नवंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्वास्थ्य पर प्रदूषण का प्रभाव

857. **श्री राजीव प्रताप रूडी:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में हाल के वर्षों में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार विशेषकर बिहार में कितने लोग प्रदूषण के कारण नि:शक्त हुए हैं;

(ख) क्या अध्ययनों में यह पाया गया है कि विशेषकर बिहार में पीएम 2.5 के संपर्क में आने और फेफड़े के रोग और कैंसर के मामलों में वृद्धि के बीच संबंध है और यदि हां, तो क्या बिहार में देश में ऐसे मामलों की दर सबसे अधिक है;

(ग) क्या जलवायु परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों विशेषकर श्वसन और प्रदूषण संबंधी अन्य बीमारियों के संदर्भ में बिहार राज्य असमान रूप से प्रभावित है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा बिहार और संपूर्ण देश के राज्यों में अस्पतालों को प्रदूषण और जलवायु संबंधी प्रभावों के कारण होने वाली स्वास्थ्य स्थितियों के निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए सुविधा प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जाने का विचार है जिसमें इस प्रयोजनार्थ प्रदान की गई कोई विशिष्ट सुविधाएं, कार्मिक प्रशिक्षण अथवा वित्तीय सहायता शामिल है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों और उससे जुड़ी व्याधियों के लिए एक गंभीर कारक है, हालांकि, देश में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारी के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य संबंधी प्रभाव कारकों की सहक्रियाशील अभिव्यक्ति हैं जिनमें व्यक्तियों की खान-पान की आदतें, व्यावसायिक आदतें, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, चिकित्सा इतिहास, प्रतिरक्षा और आनुवंशिकता आदि शामिल हैं।

(ङ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यक्रम कार्यान्वियन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए बिहार राज्य सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह वित्तीय सहायता निम्नलिखित कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के लिए भी है:

- सभी संबंधित हितधारकों, विशेषकर कमजोर समुदायों, स्वास्थ्य परिचर्या प्रदाताओं और नीति निर्माताओं के बीच मानव स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में सामान्य जागरूकता बढ़ाना
- पर्यावरण और स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण दिवसों का आयोजन
- जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण हेतु कार्यक्रम अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, विशेषज्ञ, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पीआरआई सदस्य, प्रहरी स्थल नोडल अधिकारी
- निगरानी प्रणाली को मजबूत करना

भारत सरकार ने भी वायु प्रदूषण के मुद्दे के समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनका विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

अनुलग्नक

'स्वास्थ्य पर प्रदूषण के प्रभाव' के संबंध में दिनांक 29.11.2024 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 857 के भाग (ङ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

भारत सरकार ने बिहार राज्य सहित देश भर में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें शामिल हैं:

I. वर्ष 2019 से देश में जलवायु संबंधी संवेदनशील स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और अनुक्रिया तथा साझेदारी संबंधी कार्यकलापों के उद्देश्य से राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) का कार्यान्वयन;

i. एनपीसीसीएचएच, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वायु प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन योजना विकसित की है।

ii. एनपीसीसीएचएच, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बिहार राज्य सहित सभी 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राज्य कार्य योजना भी विकसित की है। इस राज्य विशिष्ट कार्य योजना में वायु प्रदूषण समर्पित अध्याय शामिल है जो इसके प्रभाव को कम करने के लिए अन्तःक्षेप का सुझाव देता है।

iii. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के तरीकों का सुझाव देते हुए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सार्वजनिक स्वास्थ्य परामर्श जारी करता है।

iv. विश्व पर्यावरण दिवस (जून), इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीनएयर फॉर ब्लू स्काइज़ (सितंबर) और राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस (दिसंबर) के लिए राज्यों के समन्वय में प्रतिवर्ष राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं।

v. कार्यक्रम प्रबंधकों, चिकित्सा अधिकारियों और नर्सों, नोडल अधिकारियों प्रहरी साइटों, आशा जैसे अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं, महिलाओं और बच्चों जैसे कमजोर समूहों, यातायात पुलिस, नगरपालिका कार्यकर्ता जैसे व्यावसायिक रूप से उजागर समूहों के लिए वायु प्रदूषण के क्षेत्र में समर्पित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

vi. वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों को लक्षित करने वाली आईईसी सामग्रियों का विकास अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में किया गया। एनपीसीसीएचएच ने स्कूली बच्चों, महिलाओं, नगरपालिका कर्मचारियों जैसे व्यावसायिक रूप से कमजोर समूहों आदि जैसे विभिन्न कमजोर समूहों को लक्षित करते हुए अनुकूलित आईईसी सामग्रियां भी विकसित की गई हैं।

vii.मास्टर प्रशिक्षकों (राज्य स्तरीय प्रशिक्षकों) को तैयार करने के लिए प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की गई हैं, जो वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों और निगरानी के क्षेत्रों में राज्य/जिला स्तर पर प्रशिक्षण को आगे बढ़ा सकते हैं। एनपीसीसीएचएच ने वायु प्रदूषण के डोमेन क्षेत्रों पर डीएनओ की क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न राज्य स्तरीय प्रशिक्षणों का भी समर्थन किया।

viii.वायु प्रदूषण के लिए प्रारंभिक चेतावनी/अलर्ट प्रणाली - स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ-साथ कमजोर आबादी सहित समुदाय को तैयार करने के लिए भारतीय मौसम विभाग से राज्यों और भारतीय शहरों के बारे में वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान साझा किए जाते हैं।

II. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वच्छ खाना पकाने के लिए ईंधन लिक्विड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) प्रदान करके उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

III. स्वच्छ भारत मिशन भारत के शहरों, छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों की गलियों, सड़कों और बुनियादी ढांचे को साफ करने के लिए है। स्वच्छ हवा स्वच्छ भारत का एक अभिन्न अंग है।

IV. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यनीति के रूप में वर्ष 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया है।

******